कामराजर पत्तन: दूसरा कंटेनर टर्मिनल और PPP का गणित

PCSMANTRA.COM

प्रकाशन: 26 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: 25 नवंबर 2026

प्रिलिम्स: प्रमुख पत्तन, PPP/DBFOT

मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-III (अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स, समुद्री अर्थव्यवस्था)



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

25 नवंबर 2026 को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने कामराजर पोर्ट लिमिटेड (KPL) में दूसरा कंटेनर टर्मिनल सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) के तहत डिज़ाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण (DBFOT) आधार पर विकसित करने को मंज़ूरी दी। PPP घटक की अनुमानित लागत GST सहित ₹4,288.26 करोड़ है। [1]

लागत को सही पढ़ें

₹4,288.26 करोड़ PPP घटक की लागत है और इसमें GST शामिल है: चरण-I के लिए ₹2,429.32 करोड़ और चरण-II के लिए ₹1,858.94 करोड़। यह निवेश चयनित रियायतग्राही (concessionaire) जुटाएगा। [1]

परियोजना प्रस्ताव में ड्रेजिंग की अनुमानित लागत ₹450 करोड़ अलग से बताई गई है, जिसे KPL वहन करेगा। इसलिए ₹4,288.26 करोड़ को परियोजना की कुल सब-कुछ-शामिल लागत न कहें। विज्ञप्ति के अनुसार भारत सरकार पर PPP घटक का कोई वित्तीय भार नहीं है। [1]

यह भी पढ़ें
पश्चिम एशिया संकट: पत्तनों की भीड़, निर्यातकों की शिकायत और चढ़ता माल-भाड़ा

DBFOT मॉडल क्या है

DBFOT में निजी रियायतग्राही परियोजना का डिज़ाइन, निर्माण, वित्त-पोषण और संचालन करता है और रियायत अवधि के अंत में उसे हस्तांतरित करता है। वह अपना निवेश रियायत समझौते और टैरिफ़ ढाँचे के अनुसार उपयोगकर्ता शुल्क से वसूलता है। चयन पारदर्शी, खुली वैश्विक बोली से होगा। रियायत अवधि 40 वर्ष है, जिसमें 48 महीने निर्माण शामिल है। [1]

टर्मिनल की क्षमता और चरण

टर्मिनल 900 मीटर लंबा होगा, बर्थ की चौड़ाई 30 मीटर और डिज़ाइन ड्राफ़्ट 18 मीटर होगा। वार्षिक क्षमता 20 लाख TEU (ट्वेंटी-फ़ुट इक्विवेलेंट यूनिट, कंटेनर मापने की मानक इकाई) है। चरण-I की क्षमता 11 लाख TEU और चरण-II की 9 लाख TEU है, यानी 11 + 9 = 20 लाख। [1]

चरण-I रियायत प्रदान करने की तिथि से 24 महीने में पूरा होगा और वाणिज्यिक संचालन 25वें महीने से शुरू होगा। चरण-II का निर्माण 25वें से 48वें महीने में होगा और पूर्ण वाणिज्यिक संचालन 49वें महीने से होगा। टर्मिनल 24,346 TEU तक और 400 मीटर तक कुल लंबाई के जहाज़ों को सँभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है। [1]

माँग का तर्क: KPL के आँकड़े

वित्त वर्ष 2025-26 में KPL ने 49.08 मिलियन टन माल और 1,008 जहाज़ सँभाले, जिनमें 7 लाख से अधिक TEU कंटेनर यातायात था। मौजूदा कंटेनर टर्मिनल की स्थापित क्षमता 8 लाख TEU है और उसने लगभग 7 लाख TEU सँभाले, यानी करीब 88 प्रतिशत उपयोग। पिछले पाँच वर्ष में भारत का कंटेनर यातायात लगभग 7 प्रतिशत CAGR से और KPL का लगभग 9.9 प्रतिशत से बढ़ा। [1]

KPL को पहले एन्नोर पोर्ट लिमिटेड कहा जाता था। यह 12 प्रमुख पत्तनों में से एक है और PIB के अनुसार चेन्नई पोर्ट प्राधिकरण की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है। यह पत्तन कोयला, पेट्रोलियम, LNG, LPG, कंटेनर, ऑटोमोबाइल और सामान्य माल सँभालता है। [1]

अपेक्षित प्रभाव

विज्ञप्ति के अनुसार अतिरिक्त क्षमता चेन्नई-एन्नोर औद्योगिक क्षेत्र और दक्षिणी पृष्ठ-प्रदेश के EXIM माल को एक और प्रवेश-द्वार देगी। 18 मीटर ड्राफ़्ट से बड़े जहाज़ों की सीधी कॉल सुगम होगी और विदेशी हब पत्तनों तथा फ़ीडर लागत पर निर्भरता घटेगी। रोज़गार का अनुमान निर्माण के दौरान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 750 व्यक्तियों और संचालन चरण में लगभग 800 और व्यक्तियों का है। ये सब अपेक्षित प्रभाव हैं, सिद्ध परिणाम नहीं। [1]

आगे की राह

विश्लेषण: परियोजना की सफलता बोली की प्रतिस्पर्धा, पर्यावरणीय और अन्य मंज़ूरियों के बोली-तिथि से पहले समयबद्ध मिलने, ड्रेजिंग, और पत्तन से सड़क-रेल संपर्क पर टिकेगी। टैरिफ़ ढाँचे में निजी लाभ और उपयोगकर्ता लागत का संतुलन भी अहम है। विज्ञप्ति की समय-सारणी के अनुसार चरण-I रियायत प्रदान करने की तिथि से 24 महीने में पूरा होना है, इसलिए लाभ तत्काल नहीं मिलेंगे। [1]

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: कामराजर पोर्ट के दूसरे कंटेनर टर्मिनल के PPP घटक की अनुमानित लागत ₹4,288.26 करोड़ (GST सहित) है।

कथन 2: ₹450 करोड़ की ड्रेजिंग लागत इसी ₹4,288.26 करोड़ में शामिल है और रियायतग्राही वहन करेगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 2

(b) केवल 1

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

कथन 1 सही है: PPP घटक की अनुमानित लागत GST सहित ₹4,288.26 करोड़ है।

कथन 2 ग़लत है: ₹450 करोड़ की ड्रेजिंग लागत अलग बताई गई है और उसे KPL वहन करेगा।

प्रश्न 2. कामराजर पोर्ट लिमिटेड के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

कथन 1: इसे पहले एन्नोर पोर्ट लिमिटेड कहा जाता था।

कथन 2: नए टर्मिनल की प्रस्तावित वार्षिक क्षमता 20 लाख TEU है।

कथन 3: रियायत अवधि 40 वर्ष है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (d)

कथन 1 सही है: PIB के अनुसार KPL पहले एन्नोर पोर्ट लिमिटेड था।

कथन 2 सही है: क्षमता 20 लाख TEU है (चरण-I में 11 लाख और चरण-II में 9 लाख)।

कथन 3 सही है: DBFOT रियायत अवधि 40 वर्ष है, जिसमें 48 महीने निर्माण शामिल है।

UPSCMANTRA.COM

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

भारत की कंटेनर-पत्तन क्षमता बढ़ाने में PPP मॉडल की भूमिका और सीमाओं की चर्चा कीजिए। कामराजर पोर्ट के दूसरे कंटेनर टर्मिनल को संदर्भ बनाइए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: कंटेनर यातायात की वृद्धि और KPL के उपयोग-स्तर से क्षमता की ज़रूरत समझाएँ।

मुख्य भाग में: DBFOT की संरचना, निजी वित्त, उपयोगकर्ता शुल्क, ड्रेजिंग का अलग सार्वजनिक ख़र्च, मंज़ूरियों और टैरिफ़ की चुनौतियाँ जोड़ें। लागत को कुल लागत न बताएँ।

निष्कर्ष में: पारदर्शी बोली, समयबद्ध मंज़ूरी और संपर्क-ढाँचे के साथ निष्कर्ष दें।

स्रोत

- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2341174&lang=1&reg=48

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

▼ ₹4,288.26 करोड़ में क्या शामिल है?

PPP घटक की अनुमानित लागत, GST सहित: चरण-I ₹2,429.32 करोड़ और चरण-II ₹1,858.94 करोड़।

▼ ड्रेजिंग का ख़र्च कौन उठाएगा?

परियोजना प्रस्ताव के अनुसार ₹450 करोड़ की अनुमानित ड्रेजिंग लागत KPL वहन करेगा, यह अलग है।

▼ टर्मिनल की क्षमता कितनी होगी?

कुल 20 लाख TEU प्रति वर्ष: चरण-I में 11 लाख और चरण-II में 9 लाख।

PCSMANTRA.COM